सत्यमेव जयते

डॉ. टी. श्रीनिवास कुमार
Dr. T. SRINIVASA KUMAR

सचिव
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
पृथ्वी भवन, लोदी रोड़, नई दिल्ली–110003

SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
PRITHVI BHAWAN, LODHI ROAD, NEW DELHI-110003

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर मैं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा इसके अंतर्गत आने वाले सभी स्वायत्त एवं संबद्ध संस्थानों के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

14 सितंबर हमें हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के ऐतिहासिक संकल्प का स्मरण कराता है। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता हमारी शक्ति है और हिंदी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संवाद एवं समन्वय की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। इस विरासत को आगे बढ़ाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का कार्य देश के नागरिकों के जीवन, सुरक्षा और आजीविका से सीधे जुड़ा है। मौसम एवं जलवायु पूर्वानुमान, चक्रवात चेतावनियाँ, समुद्री सेवाएँ तथा किसानों, मछुआरों और तटीय समुदायों के लिए वैज्ञानिक परामर्श तभी सार्थक हैं, जब वे सहज और बोधगम्य रूप में उन तक पहुँचें। भाषा वैज्ञानिक ज्ञान और जनजीवन के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करती है।

'मौसम', 'मेघदूत', 'दामिनी' जैसे ऐप के जरिए वैज्ञानिक सेवाएँ नागरिकों तक पहुँच रही हैं। मेरा आग्रह है कि इन प्रयासों के साथ हमारे वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक कार्यों में भी सरल, स्पष्ट और जनोपयोगी अभिव्यक्ति को बढ़ावा मिले तथा जहाँ अपेक्षित हो, अन्य भारतीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं का समुचित प्रयोग किया जाए।

हमारा प्रयास होना चाहिए कि दैनिक प्रशासनिक कार्यों, नोटिंग, ड्राफ्टिंग और सामान्य पत्राचार में हिंदी का स्वाभाविक प्रयोग करें। राजभाषा का विकास केवल नियमों के अनुपालन से नहीं, बल्कि अपनी कार्यशैली में हिंदी को अपनाने और उसके प्रति गर्व की भावना से संभव है। हमें अनुवाद पर निर्भर रहने के बजाय मूल रूप से हिंदी में सोचने और लिखने की आदत विकसित करनी होगी।

आज जब देश विकसित भारत@2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, आइए हम यह सुनिश्चित करें कि ज्ञान और विज्ञान का लाभ अधिकाधिक नागरिकों तक उनकी सहज समझ की भाषा में पहुँचे। जहाँ अपेक्षित हो, हिंदी, अंग्रेजी और संबंधित क्षेत्रीय भाषा में प्रभावी त्रिभाषी संचार अपनाकर हम अपनी सेवाओं की पहुँच को और व्यापक बनाएँ।

विज्ञान तभी जनविज्ञान बनता है, जब उसका ज्ञान जन की भाषा में जन तक पहुँचे।

इसी भावना के साथ आप सभी एवं आपके परिजनों को पुनः हिंदी दिवस की हार्दिक एवं आत्मीय शुभकामनाएँ।

जय हिंद ! वंदे मातरम !

श्रीनिवास कुमार

दिनांक 14 सितंबर, 2026

(टी. श्रीनिवास कुमार)

Tel. : +91-11-24629771, 24629772 ❑ E-mail : secretary@moes.gov.in